भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-439
बुधवार, 16 सितम्बर, 2020/25 भाद्रपद, 1942 (शक)

बेरोज़गार युवाओं संबंधी आंकड़ें

439# श्री पी. एल. पुनियाः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत पाँच वर्षों में स्कूली शिक्षा पूर्ण कर चुके कितने युवाओं के पास रोज़गार है और कितने बेरोज़गार हैं, तत्संबंधी ग्रामीण/शहरी, महिला/पुरुष-वार अलग-अलग ब्यौरा क्या है;
(ख) गत पांच वर्षों में स्नातक और उच्च शिक्षा पूर्ण कर चुके कितने युवाओं के पास रोज़गार है और कितने बेरोज़गार हैं, तत्संबंधी ग्रामीण/शहरी, महिला/पुरुष-वार अलग-अलग ब्यौरा क्या है; और
(ग) बेरोज़गारी दर को कम करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क एवं ख): राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रोजगार एवं बेरोजगारी पर पंचवर्षीय श्रम बल सर्वेक्षण आयोजित किए गए थे। ऐसा पिछला सर्वेक्षण 2011-12 के दौरान आयोजित किया गया था। अब, एनएसओ वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) करने लगा है, जो 2017-18 से आरंभ किया गया है। सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार देश में 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के शिक्षित व्यक्तियों की सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर उपलब्ध सीमा तक अनुमानित बेरोजगारी दर एवं कामगार जनसंख्या अनुपात अनुबंध में दिया गया है। एनएसओ सर्वेक्षण (पूर्व का पंचवर्षीय सर्वेक्षण एवं वर्तमान पीएलएफएस) ने प्रतिशत में परिणामों को प्रकाशित किया।

(ग): सरकार ने देश में बेरोजगारी को कम करने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) तथा दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) जैसी योजनाएं जैसे विभिन्न कदम उठाए हैं।

सरकार ने स्थानीय स्तरों पर रोजगार सृजित करने हेतु पहल की हैं तथा प्रवासी कामगारों की प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई), आत्मनिर्भर भारत एवं प्रधान मंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान (पीएमजीकेआरए) के माध्यम से सहायता कर रही है। आत्मनिर्भर भारत अर्थव्यवस्था, अव-संरचना, व्यवस्था, व्यवस्था पूर्ण जनसांख्यिकी एवं मांग पर आधारित है जिससे युवाओं हेतु रोजगार सृजित हो। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ देश में रोजगार अवसरों के सृजन को सुकर बनाने हेतु 20 लाख करोड़ रु. का आर्थिक पैकेज शामिल है।

सरकार ने स्व-रोजगार को सुकर बनाने के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ, प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) आरंभ की है। पीएमएमवाई के अंतर्गत सूक्ष्म/लघु व्यापारिक उद्यमों तथा व्यक्तियों को अपने व्यापारिक कार्यकलापों को स्थापित करने अथवा विस्तार करने में समर्थ बनाने के लिए 10 लाख रुपए तक का गैर-जमानती ऋण प्रदान किया जाता है।

सरकार ने राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) परियोजना को कार्यान्वित किया है, जिसमें एक ऐसा डिजिटल पोर्टल शामिल है जो गतिशील, दक्ष एवं सकारात्मक ढंग से योग्यता अनुरूप रोजगार हेतु रोजगार चाहने वालों एवं नियोक्ताओं के लिए एक राष्ट्र-व्यापी ऑनलाइन मंच प्रदान करता है तथा इसमें रोजगार चाहने वालों हेतु आजीविका संबंधी विषय-वस्तु का भंडार है।

*****

राज्य सभा के दिनांक 16.09.2020 के अतारांकित प्रश्न संख्या 439 के भाग (क एवं ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर उपलब्ध सीमा तक विभिन्न स्तर की शैक्षिक योग्यताओं वाले व्यक्तियों का कामगार जनसंख्या अनुपात और बेरोजगारी दर का ब्यौरा।

विभिन्न शैक्षिक योग्यता स्तरों वाले व्यक्तियों में कामगार जनसंख्या अनुपात

(में %)

क्षेत्र	लिंग	साक्षर एवं प्राथमिक तक	मिडिल	माध्यमिक	उच्च माध्यमिक	स्नातक	स्नातकोत्तर एवं उससे अधिक
2018-19 (पीएलएफएस)*							
ग्रामीण	पुरूष	85.6	74.7	60.5	55.8	69.1	75.4
	महिला	29.8	21.0	17.2	13.8	18.4	31.5
शहरी	पुरूष	80.2	73.1	60.6	52.3	69.5	79.9
	महिला	20.6	15.9	9.9	9.5	23.1	36.8
2017-18 (पीएलएफएस)							
ग्रामीण	पुरूष	85.1	73.3	61.0	54.4	66.2	75.9
	महिला	26.0	18.3	15.6	12.5	18.6	31.1
शहरी	पुरूष	80.2	73.8	62.1	51.5	71.1	77.6
	महिला	21.7	13.8	10.6	9.9	22.8	35.7
2011-12 (एनएसएस 68वां दौर)							
ग्रामीण	पुरूष	89.2	77.0	66.8	61.8	76.9	82.8
	महिला	36.1	27.6	22.2	17.6	26.7	41.6
शहरी	पुरूष	84.7	76.5	65.1	58.3	77.1	84.4
	महिला	22.3	15.8	11.0	10.8	23.7	39.5

(टिप्पणीः *तुलनात्मकता के लिए, एनएसएस सर्वेक्षणों के पूर्व के पीएलएफएस के परिणामों को उस संदर्भ में समझने की आवश्यकता है जिसके साथ सर्वेक्षण पद्धति और नमूना चयन डिजाइन किया गया है।)

स्रोतः रोजगार एवं बेरोजगारी सर्वेक्षण 2011-12 और पीएलएफएस की 2017-18 एवं 2019 की वार्षिक रिपोर्ट, एमओएसपीएवंआई।

विभिन्न शैक्षिक योग्यता स्तरों वाले व्यक्तियों में बेरोजगारी दर

(में %)

क्षेत्र	लिंग	साक्षर एवं प्राथमिक तक	मिडिल	माध्यमिक	उच्च माध्यमिक	स्नातक	स्नातकोत्तर एवं उससे अधिक
2018-19 (पीएलएफएस)*							
ग्रामीण	पुरूष	2.7	5.3	5.6	8.7	17.0	16.3
	महिला	0.6	1.7	3.7	11.9	33.9	36.8
शहरी	पुरूष	3.4	5.4	5.5	8.0	12.9	7.3
	महिला	1.5	4.3	8.7	16.0	20.5	18.6
2017-18 (पीएलएफएस)							
ग्रामीण	पुरूष	3.1	5.7	5.6	9.5	18.1	13.3
	महिला	0.6	3.7	4.4	14.4	32.7	36.8
शहरी	पुरूष	3.6	6.0	5.8	9.2	11.7	8.6
	महिला	1.3	5.1	10.6	17.2	24.4	19.5
2011-12 (एनएसएस 68वां दौर)							
ग्रामीण	पुरूष	1.0	1.8	1.9	3.1	7.2	
	महिला	0.3	2.5	5.5	8.8	19.0	
शहरी	पुरूष	1.9	2.2	2.3	4.6	5.1	
	महिला	1.3	3.0	6.8	8.4	12.7	

(टिप्पणीः *तुलनात्मकता के लिए, एनएसएस सर्वेक्षणों के पूर्व के पीएलएफएस के परिणामों को उस संदर्भ में समझने की आवश्यकता है जिसके साथ सर्वेक्षण पद्धति और नमूना चयन डिजाइन किया गया है।)

स्रोतः रोजगार एवं बेरोजगारी सर्वेक्षण 2011-12 और पीएलएफएस की 2017-18 एवं 2019 की वार्षिक रिपोर्ट, एमओएसपीएवंआई।